भारत सरकार

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय

लोक सभा

तारांकित प्रश्न सं. *227

06.03.2020 को उत्तर के लिए

गैस अन्वेषण परियोजनाओं हेतु पर्यावरणीय मंजूरी

***227. श्री ए. गणेशमूर्ति:**
श्री उत्तम कुमार रेड्डी नलमादा:

क्या **पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने तमिलनाडु में कावेरी डेल्टा जोन सहित देश में अपतटीय एवं अवतटीय तेल एवं गैस अन्वेषण के लिए खुदाई को पर्यावरणीय स्वीकृति तथा पर्यावरण प्रभाव आकलन की आवश्यकता से छूट प्रदान कर दी है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और ऐसी छूट दिए जाने के पीछे क्या औचित्य है; और

(ग) सरकार द्वारा देशभर में विगत तीन वर्षों के दौरान अपतटीय एवं अवतटीय तेल एवं गैस अन्वेषण खुदाई से संबंधित अनुमत परियोजनाओं की कुल संख्या परियोजना-वार कितनी है?

उत्तर

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री
(श्री प्रकाश जावडेकर)

(क) से (ग) एक विवरण सदन के पटल पर रखा गया है।

****

'गैस अन्वेषण परियोजनाओं हेतु पर्यावरणीय मंजूरी' के संबंध में श्री ए. गणेशमूर्ति और श्री उत्तम कुमार रेड्डी नलमादा, माननीय सांसद द्वारा दिनांक 06.03.2020 को उत्तर के लिए पूछे गए लोक सभा तारांकित प्रश्न सं. *227 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में उल्लिखित विवरण

(क) सरकार द्वारा दिनांक 16 जनवरी, 2020 की अधिसूचना संख्या का.आ. 236 (अ) के तहत तटवर्ती और अपतटीय तेल एवं गैस अन्वेषण परियोजनाओं या कार्यकलापों को श्रेणी 'क' से श्रेणी 'ख 2' में पुन: श्रेणीकृत किया गया है। मौजूदा व्यवस्था के अंतर्गत, किसी परियोजना प्रस्तावक को राज्य पर्यावरणीय प्रभाव आकलन प्राधिकरण (एसईआईएए), जो राज्य सरकार की एक संस्था है, को आवेदन करना होगा और इस मामले में एसईआईएए का निर्णय अंतिम होगा। अत: किसी क्षेत्र-विशेष में किसी विशेष परियोजना को अनुमति प्रदान की जाए या नहीं इस संबंध में अंतिम निर्णय लेने का अधिकार राज्य सरकार के पास ही निहित रहेगा। इसके अलावा, ऐसी परियोजना के लिए राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों से वायु और जल संबंधी अधिनियमों के तहत स्वीकृति प्राप्त करना भी आवश्यक है।

(ख) सरकार द्वारा निम्नलिखित आधारों पर तटवर्ती और अपतटीय तेल एवं गैस अन्वेषण परियोजनाओं या कार्यकलापों को श्रेणी 'क' से श्रेणी 'ख2' में पुन: श्रेणीकृत किया गया है:-

i. अन्वेषणात्मक ड्रिलिंग एक अस्थायी कार्यकलाप है और अन्वेषण स्थल पर किसी स्थायी स्थापना या ढांचे के बिना उसे तीन से चार महीने में पूरा कर लिया जाएगा।

ii. अन्वेषणात्मक कुओं की खुदाई इस चरण में किसी प्रकार का वाणिज्यिक उत्पादन किए बिना केवल मूल्यांकन के प्रयोजन से की जाती है। वास्तव में, यह हाइड्रोकार्बन की मौजूदगी सुनिश्चित करने हेतु एक भावी कार्यकलाप है।

iii. अन्वेषणात्मक ड्रिलिंग में 110X110 वर्ग मीटर माप का एक छोटा-सा भू-खंड शामिल होता है जहां अपशिष्ट पैदा होने की सीमित संभावना होने के साथ-साथ अल्पावधि के लिए पर्यावरण पर भी न्यूनतम प्रभाव पड़ता है।

iv. कोयला और अन्य प्रमुख या गौण खनिजों के अन्वेषण के मामले में भी पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति की कोई आवश्यकता नहीं है।

v. पर्यावरणीय सुरक्षा पहलुओं को सुनिश्चित करने हेतु, अभी भी संबंधित राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड या संघ राज्य क्षेत्र प्रदूषण नियंत्रण समितियों से संयंत्र स्थापित या प्रचालित करने की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा।

(ग) वर्ष 2015 से 2019 के दौरान अठारह पूर्व-पर्यावरणीय स्वीकृतियां जारी की गईं। जिन परियोजनाओं को पूर्व-पर्यावरणीय स्वीकृति जारी की गई उनका ब्यौरा अनुबंध में दिया गया है।

****

अनुबंध

'गैस अन्वेषण परियोजनाओं हेतु पर्यावरणीय मंजूरी' के संबंध में श्री ए. गणेशमूर्ति और श्री उत्तम कुमार रेड्डी नलमादा, माननीय सांसद द्वारा दिनांक 06.03.2020 को उत्तर के लिए पूछे गए लोक सभा तारांकित प्रश्न सं. *227 के उत्तर में उल्लिखित विवरण के भाग (ग) के संदर्भ में

उन हाइड्रोकार्बन अन्वेषण परियोजनाओं का ब्यौरा जिन्हें वर्ष 2015 से 2019 के दौरान पूर्व-पर्यावरणीय स्वीकृति जारी की गई

क्र.सं.	परियोजना का नाम	राज्य	पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की तिथि	परियोजना का प्रकार
1	असम के कचर और हैलाकांडी जिलों में 2 पीएमएल ब्लॉकों में तटवर्ती अन्वेषण और विकास	असम	07.08.2019	नई
2	आंध्र प्रदेश के पूर्वी गोदावरी, पश्चिमी गोदावरी और कृष्णा जिलों में 72 कुओं की ड्रिलिंग का विकास	आंध्र प्रदेश	20.10.2018	नई
3	जम्बूसर, गुजरात में ऊबर-2 कुआं और ग्रुप गैदरिंग स्टेशन के विकास और उत्पादन के लिए विस्तार	गुजरात	06.03.2019	विस्तार
4	एनईएलपी ब्लॉक एए-ओएनएन-2001/2, कोलासिब और ममिट जिला, मिजोरम में 2 कुओं की प्रस्तावित अन्वेषणात्मक ड्रिलिंग	मिजोरम	28.03.2019	नई
5	भारत के पश्चिमी तट में मुंबई अपतटीय ब्लॉक एमबी-ओएसएन-2005/1 (एनईएलपी-VII) में अन्वेषण	महाराष्ट्र	30.04.2019	नई
6	ग्राम-मत्रेसन, तहसील-बेचाराजी, जिला-मेहसाना, गुजरात में मोधेरा फील्ड के मौजूदा पीएमएल क्षेत्र (पीएमएल 12.7 वर्ग कि.मी.) में अन्वेषण और कुएं की ड्रिलिंग का विकास	गुजरात	27.12.2019	विस्तार
7	मैसर्स सन पेट्रोकेमिकल्स प्रा.लि. द्वारा ग्राम सलाजादा, तहसील-बावला, जिला अहमदाबाद गुजरात में बावला फील्ड के मौजूदा पीएमएल क्षेत्र (पीएमएल 4 वर्ग किलोमीटर) में अन्वेषण और कुएं की ड्रिलिंग का विकास	गुजरात	20.05.2019	विस्तार
8	शिवसागर, जिला असम में 200 कुओं की ड्रिलिंग का विकास	असम	06.03.2019	नई
9	बोरहोला एमएल ब्लॉक, जोरहाट जिला में 4 कुओं की ड्रिलिंग का विकास और गोला में नांबर एमएल क्षेत्र, पूर्वी लखीबारी एमएल क्षेत्र, खोराघाट एमएल और खोरघाट विस्तार एमएल	असम	01.05.2019	नई

	क्षेत्र में 8 कुओं की ड्रिलिंग का विस्तार			
10	आरजे-ओएन-90/1 ब्लॉक, बार्मर से प्रतिदिन 300,000 बैरल तेल (बीओपीडी) से 400,000 बीओपीडी तथा प्रतिदिन 165 मिलियन मानक फीट (एमएमएससीएफडी) से 750 (एमएमएसीएफडी) तटवर्ती तेल एवं गैस उत्पादन का विस्तार	गुजरात	11.04.2019	विस्तार
11	आंध्र प्रदेश में पश्चिमी गोदावरी जिले में अचंता फील्ड के 9.63 वर्ग कि.मी. क्षेत्र में 2 अस्थायी रूप से परित्यक्त (स्वीट गैस) कुओं और 5 अतिरिक्त अन्वेषणात्मक/विकास कुओं का वर्कओवर	आंध्र प्रदेश	17.05.2019	नई
12	भिमानपल्ली, नागवरम, उप्पलगुप्तम मंडल के सानावल्ली और लक्ष्मीवादा बंटूमिल्ली में भिमानपल्ली तटवर्ती संविदा क्षेत्र केजी/ओएनडीएसएफ/भिमानपल्ली/2016 में अन्वेषणात्मक/विकास ड्रिलिंग और उत्पादन	आंध्र प्रदेश	17.06.2019	नई
13	असम राज्य में तिनसुकिया जिले के साडिया क्षेत्र में एनईएलपी IX ब्लॉक: एए-ओएनएन-2010/3 में तटवर्ती तेल और गैस अन्वेषणात्मक ड्रिलिंग और हाइड्रोकार्बन का परीक्षण	असम	03.07.2019	नई
14	मैसर्स भारत पेट्रो-रिसोर्सेज लि. द्वारा ब्लॉक सीबी-ओएनएन-2010/8, कैम्बे, गुजरात में प्रस्तावित तटवर्ती तेल एवं गैस विकास और उत्पादन कार्यकलाप	गुजरात	30.07.2019	नई
15	अपर असम उत्तरी, ए एंड एए बेसिन, शिवसागर जिला, असम में 21 तटवर्ती पीएमएल ब्लॉकों में तेल एवं गैस के लिए अन्वेषण, विकास उत्पादन	असम	19.12.2019	नई
16	पश्चिमी तटवर्ती बेसिन, जिला-मेहसाना, गुजरात के 12 एमएल ब्लॉकों में तटवर्ती तेल एवं गैस अन्वेषण	गुजरात	06.12.2019	नई
17	नोहटा-दामोह-जबेरा पीएमएल ब्लॉक, विंध्यान बेसिन, दामोह जिला, मध्य प्रदेश में वनेतर क्षेत्र के तहत 15 अन्वेषणात्मक कुओं की ड्रिलिंग	मध्य प्रदेश	27.12.2019	नई
18	गुजरात के बड़ोदरा, खेडा, आनंद, अहमदाबाद, गांधी नगर, मेहसाना और साबरकांठा जिलों में 32 एमएल ब्लॉकों में 134 कुओं से तेल और गैस का तटवर्ती अन्वेषण	गुजरात	27.12.2019	नई